पलामू में चेरो राज

छोटानागपुर की प्रसिद्ध जनजातियों में उरांव के बाद चेरो का नाम लिया जाता है। इनकी अधिकांश आबादी पलामू में केन्द्रित थी। यद्यपि कुछ चेरो राँची तथा हजारीबाग में भी रहते आए थे पलामू में ये मध्यकाल के आरम्भ से रहते थे। वहाँ उन्होंने 2000 वर्षों से भी अधिक समय तक शासन किया। छोटानागपुर की अन्य जनजातियों की तरह इनका जीवन भी संघर्षमय था।

कहा जाता है कि पलामू के चेरो राजा चैनपुर के राजा सालबाहीन (Salabahin) के उत्तराधिकारी थे।